भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1444
गुरुवार, 13 फ़रवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उन्नत विमान प्रचालन के लिए नियामक ढांचा

1444. श्री सुधीर गुप्ताः
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उन्नत विमान प्रचालन अथवा वैद्युत विमान प्रचालन हेतु विनियामक ढांचे में नवीनतम परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) और अन्य नागर विमानन प्राधिकरणों के साथ कार्य कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वैद्युत विमान प्रचालन धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है और देश में कुछ कंपनियों सहित कई कंपनियां इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान पर कार्य कर रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या नागर विमानन महानिदेशालय ने उन्नत विमान प्रचालन के लिए आवश्यकताओं और मार्गदर्शन का विकास करने हेतु कार्य समूहों का गठन किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त कार्य समूहों की रिपोर्ट कब तक सार्वजनिक मंच पर उपलब्ध हो जाएगी; और

(ङ) सरकार द्वारा अध्ययन करने और राष्ट्रीय वायु क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने के लिए विनियामक ढांचे में नवीनतम परिवर्तनों को शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ) : विमानन क्षेत्र में नए प्रवेशकों की तेजी से तकनीकी प्रगति और विमानन पारिस्थितिकी तंत्र पर संभावित प्रभाव के दृष्टिगत आईसीएओ द्वारा उन्नत एयर मोबिलिटी स्टडी ग्रुप की स्थापना की गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारत के लिए उपयुक्त उचित नियमों/अपेक्षाओं का आकलन और विकास करने के लिए ई-वीटीओएल (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग) के संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए छह कार्य समूहों का गठन किया है और इस संबंध में आईसीएओ, एफएए और एपीएसी (सीएए सिंगापुर) के साथ सहयोग भी स्थापित किया है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) और डीजीसीए के बीच एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं, जो दो नागर विमानन प्राधिकरणों के बीच मानव-रहित विमान और अभिनव एयर मोबिलिटी पर सहयोग पर केंद्रित है।

कार्य समूह वर्टिपोर्ट्स, वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग सक्षम विमान (वीसीए) के टाइप प्रमाणन, क्रू लाइसेंसिंग, हवाई प्रचालक परमिट, यूएएस यातायात प्रबंधन (यूटीएम), और अनुरक्षण, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

वर्तमान में, डीजीसीए के रिकॉर्ड के अनुसार, चेन्नई स्थित कंपनी मेसर्स यूबीफ्लाई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और चंडीगढ़ स्थित कंपनी मेसर्स नलवा एयरो प्राइवेट लिमिटेड नागर विमानन क्षेत्र में ईवीटीओएलएस (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग) विमान पर कार्य कर रही हैं।

डीजीसीए ने देश और विदेश में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के पश्चात "वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग सक्षम विमान (वीसीए) के टाइप प्रमाणन" और "वर्टीपोर्ट्स के डिजाइन, संचालन और प्राधिकार" पर मार्गदर्शन सामग्री जारी की है, ताकि वैश्विक स्तर पर उपलब्ध सर्वोत्तम परिपाटियों के साथ सामंजस्य रखा जा सके और ये दस्तावेज डीजीसीए की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

विनियामक ढांचे के आधार पर, सुरक्षित और कुशल एएएम परिचालन के लिए अनिवार्य वर्टिपोर्ट, हवाई मार्गों और अन्य आवश्यक अवसंरचना की स्थापना की जाएगी। परिचालनों को कार्यनीतिक और युक्तिपूर्ण रूप से प्रबंधित किया जाएगा, जिसमें मानव-रहित विमान यातायात प्रबंधन (यूटीएम) प्रणालियों के साथ-साथ मौजूदा वायु यातायात प्रबंधन (एटीएम) प्रणालियों का उपयोग करके हवाई क्षेत्र में वायु यातायात प्रवाह को इष्टतम बनाया जाएगा, ताकि कई छोटे विमानों के टकराव की स्थिति को रोका जा सके और उसी हवाई क्षेत्र में स्वायत्त ड्रोन को एकीकृत किया जा सके।

*****